भा.कृ.अनु.प.-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा पादप स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

आईसीएआर-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर), लखनऊ 1-3 फरवरी, 2024 के दौरान "खाद्य सुरक्षा के लिए पौधों का स्वास्थ्य: खतरे और वादे" पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य पादप रोग विज्ञान में वर्तमान प्रगति पर चर्चा करने के लिए देश भर के शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों और कृषकों सहित 500 से अधिक प्रतिनिधियों को एक साथ एक मंच पर लाना है। सम्मेलन में मुख्य एवं सत्र भाषण, मौखिक प्रस्तुतियाँ और पादप विकृति विज्ञान के महत्वपूर्ण मुद्दों पर पोस्टर सत्र शामिल होंगे, जिनमें उभरते हुए पादप रोग, मेजबान पादप प्रतिरोध, नवीन रोग प्रबंधन रणनीतियाँ, नवीन निदान उपकरण, जलवायु परिवर्तन प्रभाव और टिकाऊ कृषि शामिल हैं। यह आयोजन पादप संरक्षण, चुनौतियों और अवसरों पर विचारों के आदान-प्रदान और शोध निष्कर्षों के प्रसार के लिए एक मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन पौधों की सुरक्षा में हाल की प्रगति और अवसरों को प्रस्तुत करने, चर्चा करने और प्रसारित करने, अकादमिक और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने, विशेष रूप से स्थायी फसल उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा पर नई उभरती बीमारियों के खतरे के कारण मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने के लिए अभिनव अनुसंधान समाधानों को उजागर करने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त यह सम्मेलन प्रतिभागियों, उद्योग भागीदारों और हितधारकों के लिए नेटवर्किंग, सहयोग और जुड़ाव के अवसर भी प्रदान करेगा।

पौधों के स्वास्थ्य पर होगा सम्मेलन

संवाद न्यूज एजेंसी

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की ओर से आज से तीन दिवसीय आयोजन

सम्मेलन की जानकारी देते आईआईएसआर के अफसर। संवाद

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) एक से तीन फरवरी तक खाद्य सुरक्षा के लिए पौधों का स्वास्थ्य : खतरे और वादे विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करेगा। इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी के सहयोग से होने वाले सम्मेलन में पादप रोग विज्ञान में वर्तमान प्रगति पर शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों और कृषकों सहित 500 से अधिक प्रतिनिधि चर्चा करेंगे।

संस्थान के निदेशक डॉ. आर विश्वनाथन, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. संगीता श्रीवास्तव ने बताया कि सम्मेलन में पौधों की सुरक्षा में हाल की प्रगति और अवसरों को प्रस्तुत करने, चर्चा करने और इसे प्रसारित करने पर विचार किया जाएगा। साथ ही अकादमिक और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने, स्थायी फसल उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा पर नई उभरती बीमारियों के खतरे के कारण व समाधान के लिए अभिनव अनुसंधान समाधानों को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

पादप स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

आलमबाग-लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान रायबरेली रोड में 31 जनवरी से 3 फरवरी तक 4 दिवसीय 'खाद्य सुरक्षा के लिए पौधों का स्वास्थ्य खतरे और वादे' बिषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान व इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी नई दिल्ली के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है । आयोजन का उद्देश्य पादप रोग विज्ञान में वर्तमान में हुई प्रगति और शोध पर चर्चा करने के उद्देश्य से देश भर से आए शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों और कृषकों सहित पांच सौ से अधिक प्रतिनिधियों को एक साथ एक मंच पर लाना है। प्रेस वार्ता के दौरान संस्थान के निदेशक डा. आर विश्वनाथन, प्रधान वैज्ञानिक व चेयरपर्सन प्रेस एण्ड मीडिया संगीता श्रीवास्तव, कार्यक्रम के आर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डा. दिनेश सिंह, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी अभिषेक सिंह व प्रवक्ता संजय गोस्वामी मौजूद रहे । इस मौके पर निदेशक डॉ आर विश्वनाथन ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य सत्र में भाषण, मौखिक प्रस्तुतियाँ और पादप विकृति विज्ञान के महत्वपूर्ण मुद्दों पर पोस्टर सत्र शामिल होंगे

आईआईएसआर द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आज से

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान –आईआईएसआर 31-3 फरवरी के दौरान चार दिवसीय खाद्य सुरक्षा के लिए पौधों का स्वास्थ्य: खतरे और वादे बिषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। प्रगति पर चर्चा करने के लिए देश भर के शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों और कृषकों सहित 500 से अधिक प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे। सम्मेलन में मुख्य एवं सत्र भाषण, मौखिक प्रस्तुतियाँ और पादप विकृति विज्ञान के महत्वपूर्ण मुद्दों पर पोस्टर सत्र शामिल होंगे, जिनमें उभरते हुए पादप रोग, मेजबान पादप प्रतिरोध, नवीन रोग प्रबंधन रणनीतियाँ, नवीन निदान उपकरण, जलवायु परिवर्तन प्रभाव और टिकाऊ कृषि शामिल हैं। सम्मेलन पौधों की सुरक्षा में हाल की प्रगति और अवसरों को प्रस्तुत करने, चर्चा करने और प्रसारित करने, अकादमिक और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने, विशेष रूप से स्थायी फसल उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा पर नई उभरती बीमारियों के खतरे के कारण मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने के लिए अनुसंधान किया जाएगा। सम्मेलन प्रतिभागियों, उद्योग भागीदारों और हितधारकों के लिए नेटवर्किंग, सहयोग और जुड़ाव के अवसर मिलेगा। आयोजन में 35 वर्ष से कम आयु के पीएचडी पूर्ण कर चुके दो लोगों को एमजे नरसिंहम और एपीजे ट्रैवल ग्रांट से सम्मानित किया जाएगा।

आईआईएसआर में राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में 31 जनवरी से तीन फरवरी तक देशभर के वैज्ञानिक, शोधकर्ता 'खाद्य सुरक्षा के लिए पौधों का स्वास्थ्य खतरे और वादे' विषय पर विचार साझा करेंगे। आईआईएसआर यह राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी आईआईएसआर निदेशक डॉ. आर विश्वनाथन ने दी।

खाद्य सुरक्षा और पौधों के स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

भारत कनेक्ट संवाददाता

● राष्ट्रीय स्तर के शोधकर्ता साझा करेंगे अनुभव,विभिन्न प्रांतों से छात्र लेंगे हिस्सा

लखनऊ। भा.कृ.अनु.प-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) लखनऊ इकतीस जनवरी से तीन फरवरी के दौरान ₹खाद्य सुरक्षा के लिए पौधों का स्वास्थ्य खतरे और वादे₹ बिषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। और इसका उद्देश्य पादप रोगविज्ञान में वर्तमान प्रगति पर चर्चा करने के लिए देश भर के शोधकताओं,चिकित्सकों,छात्रों,गैर सरकारी संगठनों और कृषकों सहित पांच सौ से अधिक प्रतिनिधियों को एक साथ एक मंच पर लाना है।

मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संस्थान के निदेशक डा० आर विश्वनाथन,प्रधान वैज्ञानिक एवं चेयरमैन प्रेस एण्ड मीडिया संगीता श्रीवास्तव, कार्यक्रम के आगेर्नाइजिंग सेक्रेटरी डा० दिनेश सिंह,वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी अभिषेक सिंह व प्रवक्ता संजय गोस्वामी मौजूद रहे।निदेशक डा० आर विश्वनाथन ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य एवं सत्र भाषण, मौखिक प्रस्तुतियाँ और पादप विकृति विज्ञान के महत्वपूर्ण मुद्दों पर पोस्टर सत्र शामिल होंगे, जिनमें उभरते हुए पादप रोग, मेजबान पादप प्रतिरोध, नवीन रोग प्रबंधन रणनीतियाँ, नवीन निदान उपकरण, जलवायु परिवर्तन प्रभाव और टिकाऊ कृषि शामिल हैं। यह आयोजन पादप संरक्षण, चुनौतियों और अवसरों पर विचारों के आदान-प्रदान और शोध निष्कर्षों के प्रसार के लिए एक मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन पौधों की सुरक्षा में हाल की प्रगति और अवसरों को प्रस्तुत करने, चर्चा करने और प्रसारित करने, अकादमिक और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने, विशेष रूप से स्थायी फसल उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा पर नई उभरती बीमारियों के खतरे के कारण मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने के लिए अभिनव अनुसंधान समाधानों को उजागर करने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त यह सम्मेलन प्रतिभागियों, उद्योग भागीदारों और हितधारकों के लिए नेटवर्किंग, सहयोग और जुड़ाव के अवसर भी प्रदान करेगा।

'रोग से नष्ट हो जाती है 40 प्रतिशत फसल'

जासं, लखनऊ: फसलों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कैसे बढ़ाई जाए और रोग से नष्ट होने वाली 20 से 40 प्रतिशत फसल को कैसे बचाया जाए, इसको लेकर राष्ट्रीय सम्मेलन एक से तीन फरवरी तक रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में होगा। संस्थान के निदेशक और फसल रोग विशेषज्ञ डा.आर विश्वनाथन ने सम्मेलन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रोग से नष्ट होने वाली 40 प्रतिशत फसल को बचाकर हम खाद्यान्न की कमी को पूरा कर सकते हैं।

'खाद्य सुरक्षा के लिए पौधों का स्वास्थ्य: खतरे और वादे' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली के इंडियन फाइटोपैथोलाजिकल सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पादप रोगविज्ञान में वर्तमान प्रगति पर चर्चा करने के लिए देश भर के वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों और कृषकों को एक साथ एक मंच पर लाना है।